

**ऊर्ज** पुं. (तत्.) 1. शक्ति, बल 2. स्फूर्ति 3. प्राण 4. जीवन 5. उत्साह काव्य. एक अर्थालंकार जिसमें असहाय होने पर भी स्वाभिमान और उत्साह बने रहने का वर्णन होता है।

**ऊर्जस्** पुं. (तत्.) 1. बल, शक्ति 2. उमंग, उत्साह।

**ऊर्जस्वन्** वि. (तत्.) 1. बलवान, शक्तिशाली, तेजस्वी 2. श्रेष्ठ।

**ऊर्जस्वान्** वि. (तत्.) 1. जो ऊर्जा से युक्त हो 2. शक्तिशाली, बलवान 3. रसीला

**ऊर्जस्विता** स्त्री. (तत्.) 1. ऊर्जस्वी होने की अवस्था या भाव 2. शक्ति संपन्नता, बलवत्ता 3. तेजस्विता 4. उत्साहपूर्णता 5. श्रेष्ठता।

**ऊर्जस्वी** वि. (तत्.) 1. शक्तिमान, बलवान 2. तेजस्वी 3. प्रतापी 4. ऊर्जस्व पुं. काव्य. वह काव्यालंकार जहां रसाभास या भावाभास स्थायीभाव का अंग हो।

**ऊर्जा** स्त्री. (तत्.) 1. कार्य करने की क्षमता या शक्ति 2. भौ. भौतिक पदार्थों या रासायनिक तत्वों की कार्यक्षमता या शक्ति energy 3. दक्ष की पुत्री का नाम जिसका विवाह वशिष्ठ के साथ हुआ था।

**ऊर्जा संरक्षण** पुं. (तत्.) भौ.रसा. किसी तंत्र में ऊर्जा की वह अवस्था जिसके रूप एवं उपलब्धता में परिवर्तन तो हो सकता है किंतु उसकी संपूर्ण ऊर्जा अचर बनी रहती है।

**ऊर्जा स्तर** पुं. (तत्.) रसा. प्रत्येक अणु, परमाणु या नाभिक में निश्चित रूप से विद्यमान एक महत्वपूर्ण ऊर्जा energy level टि. ऊर्जा के न्यूनतम स्तर को 'आद्य अवस्था' कहते हैं। ground state

**ऊर्जित** वि. (तत्.) 1. ऊर्जा से युक्त, शक्तिशाली, बलवान, तेजस्वी 2. भौ. ऊर्जा current से युक्त, जिसमें बिजली हो।

**ऊर्ण** पुं. (तत्.) 1. ऊन 2. ऊनी कपड़ा।

**ऊर्णक** पुं. (तत्.) रसा. ऊर्णन को प्रेरित करने वाला पदार्थ जिसका उपयोग जलशोधन आदि में होता है, जैसे- चूना, फिटकरी, फ्लोरिक ऑक्साइड आदि। flocculent

**ऊर्णन** पुं. (तत्.) निलंबित ठोस कणों का इस प्रकार संयोजित होना कि वे ऊन के समान छोटे-छोटे गुच्छे या पुंज बन जाएँ flocculation तु. स्कंदन।

**ऊर्णनाभ** पुं. (तत्.) [ऊर्ण+नाभि] जाला बुनने का एक प्रकार का कीड़ा, मकड़ा।

**ऊर्णपर्णी** पुं. (तत्.) बन. वे पादप जिन की पत्तियाँ देखने में ऊन जैसी प्रतीत होती हैं, वि. ऊन जैसे पत्ते वाले (पौधे)।

**ऊर्णपुष्पी** पुं. (तत्.) बन. वे पादप जिनमें ऊन जैसे पुष्प लगते हैं।

**ऊर्णा** स्त्री. (तत्.) 1. ऊन 2. भौहों के बीच की भौरी।

**ऊर्णायु** पुं. (तत्.) 1. मेष, मेढ़ा 2. मकड़ा, मकड़ी 3. ऊनी कंबल।

**ऊर्णी** पुं. (तत्.) रसा. ऊर्णन को प्रेरित करने वाला पदार्थ, निलंबित suspended ठोस कणों के बड़े बड़े गुच्छे, थक्के बनने की प्रक्रिया में सहायक द्रव, पदार्थ।

**ऊर्ध** क्रि.वि. (तत्.) ऊर्ध्व, ऊपर वि. उदग्र।

**ऊर्ध्व** वि. (तत्.) 1. ऊँचा, ऊपर की ओर स्थित 2. ऊपर (आकाश) की ओर की दिशा विलो. अधर।

**ऊर्ध्वकेतु** वि. (तत्.) 1. जिसका ध्वज या पताका सदा ऊपर फहराता रहे 2. जो ध्वज ऊँचाई पर फहरा रहा हो, चक्रवर्ती सम्राट।

**ऊर्ध्वकेश** वि. (तत्.) 1. जिसके सिर के केश (बाल) खड़े हों या बिखरे हुए हों। खड़े बालों वाला 2. ऊर्ध्वकच।

**ऊर्ध्वगति** स्त्री. (तत्.) 1. ऊपर की ओर गति 2. मुक्ति/मोक्ष (जन्म-मृत्यु के बंधन से छुटकारा) 3. वृद्धिशीलता वि. जिसकी गति ऊपर की ओर हो, ऊपर की ओर गति वाला।

**ऊर्ध्वगामी** वि. (तत्.) 1. ऊपर जानेवाला 2. मुक्त, निर्वाण प्राप्त।

**ऊर्ध्वचरण** वि. (तत्.) जिसके पैर ऊपर की ओर उठे हुए हों। सिर के बल पर खड़ा होने वाला, पुं. शरभ नामक कल्पित प्राणी जो सिंह से भी अधिक शक्तिशाली माना गया है।